तापमान
अधिकतम 18.4 डिग्री
न्यूनतम 6.8 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 13 जनवरी 2025

11 लड़कियों की दौड़ में अवनी, सुनीता और वंदना प्रथम

12 व्यापारी मिलन समारोह : कलाकारों ने सांस्कृतिक ..

शहर में आज

- समाधान शिविर में सुनी जाएंगी समस्याएं।
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।

खबर संक्षेप

पत्नी को घर छोड़ने का मैसेज कर पति लापता

रोहतक। तिलक नगर में मामूली बात को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो गया। पति ने पत्नी को आडियो मैसेज भेजकर कहा कि वह घर छोड़कर जा रहा है। इसके बाद महिला ने पुलिस को शिकायत दी। महिला ने माडल टाउन चौकी पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह तिलक नगर की रहने वाली है। वह खानपुर अस्पताल में स्टाफ नर्स है। पति विकास ने शुक्रवार को पांच हजार रुपये मांगे, लेकिन थोड़ी सी देरी हो गई। हालांकि कुछ देर बाद बाद पैसे भेज दिए थे। उसके बाद पैसे वापस ट्रांसफर कर दिए और शाम को खाना भी नहीं खाया। इसके बाद शनिवार को सुबह करीब वाट्सएप पर मैसेज आया कि वह घर छोड़कर जा रहा है। इसके बाद तुरंत आसपास और रिश्तेदारियों में भी पता किया, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया। उनका फोन भी बंद है। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने लापता व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है।

युवक पर जानलेवा हमले का आरोपी काबू

रोहतक। पुलिस की टीम ने मसुदपुर निवासी युवक पर हुए जानलेवा हमले में शामिल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना कलानौर निरीक्षक सतपाल सिंह ने बताया कि बसाना फाटक कलानौर निवासी राहुल की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरु की गई। प्रारंभिक जांच मे सामने आया कि राहुल अपने दोस्त दिनेश निवासी मसुदपुर व दिनेश निवासी लाहली पैदल-पैदल कलानौर बाजार की तरफ जा रहे थे। दोपहर राहुल अपने दोस्तों के साथ डीएवी चौक के आगे पहुंचे तो दो तीन मोटरसाइकिल पर सवार होकर दर्जनों युवक आए। युवकों ने आते ही अपने हाथ में लिए हुए चाकू व सुए से दिनेश पर हमला कर दिया। दिनेश चाकू व सुए लगने के कारण बेहोश होकर नीचे गिर गया। भीड इकट्ठा होते देख युवक मौके से फरार हो गए। मामले की जांच एसआई राकेश द्वारा की गई।

एमडीयू में आयोजित संविधान गौरव समारोह तथा राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में बोले मनोहर लाल

स्वामी विवेकानंद और डॉ. आंबेडकर समरसता के प्रतीक समाज कल्याण व राष्ट्र उत्थान में दोनों का अहम योगदान

- भारतीय जनता पार्टी की सरकार संवैधानिक भावना को ध्यान में रखते हुए पूरे राष्ट्र में समावेशी विकास का कर रही है कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

समाज और राष्ट्र को स्वामी विवेकानंद तथा बाबा साहेब डॉ. बीआर आंबेडकर ने नई दिशा दी। समाज कल्याण तथा राष्ट्र उत्थान में इन दोनों महान विभूतियों को विशेष, अतुलनीय योगदान है। केन्द्रीय ऊर्जा, आवासन तथा शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में आयोजित संविधान गौरव समारोह तथा राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने राष्ट्र के युवाओं को विशिष्ट दिशा दी।

विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लें

मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के प्रेरक विचारों से विद्यार्थियों तथा युवा वर्ग को प्रेरणा लेनी चाहिए। संविधान के रचयिता बाबा साहेब डॉ. बीआर. आंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए मनोहर लाल ने कहा कि बाबा साहेब ने भारतीय संविधान के जरिए देश को समानता, समरसता, पंथ निरपेक्षता, जन कल्याण का संदेश दिया। मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भाजपा की सरकार संवैधानिक भावना को ध्यान में रखते हुए पूरे राष्ट्र में समावेशी विकास का कार्य कर रही है। भाजपा सरकार ने संवैधानिक संशोधन भी जन कल्याण तथा लोक हित में किए हैं। राष्ट्र में वंचित समाज को मुख्यधारा में लाने का कार्य नरेन्द्र मोदी की सरकार ने सुनिश्चित किया है। भारतीय संविधान को डायनैमिक संविधान की संज्ञा मनोहर लाल ने दी। विद्यार्थियों तथा युवा वर्ग से संविधान जागरूकता पाठ पड़ने का आह्वान उन्होंने किया।

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते केन्द्रीय ऊर्जा, आवासन तथा शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल। संविधान गौरव समारोह तथा राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में उपस्थित प्राध्यापक, शोधार्थी, आमंत्रित अतिथिगण, अन्य गणमान्य। मुख्यअतिथि केन्द्रीय ऊर्जा, आवासन तथा शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल को स्मृति चिन्ह देते महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने प्रारंभ में स्वामी विवेकानंद और बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने राष्ट्रीय युवा दिवस एवं विवेकानंद जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए इस दिवस पर सामुदायिक तथा सामाजिक सरोकारों तथा राष्ट्र निर्माण कार्य से जुड़ने का आह्वान किया। कुलपति ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने पूरे विश्व में भारतीय सभ्यता-संस्कृति तथा आध्यात्मिक मूल्यों की प्रतिष्ठापना की। कुलपति ने कहा कि भारतीय संविधान के जरिए बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने समावेशी शासन व्यवस्था तथा सुशासन की नींव रखी। कुलपति ने बताया कि एमडीयू में संविधान की 75 वीं जयंती वर्ष के अवसर पर 2025 में पूरे वर्ष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राष्ट्र की प्रगति में भारतीय संविधान की विशेष भूमिका: डॉ. दलीप सिंह

भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी डॉ. दलीप सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के दर्शन तथा विद्वता का प्रतीक भारतीय संविधान शोषित, पीड़ित, वंचित समाज के हितों की रक्षा सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में भारतीय संविधान की विशेष भूमिका है। उन्होंने विशेष रूप से संवैधानिक संशोधन का उल्लेख करते हुए बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में किए गए संवैधानिक संशोधनों से जन कल्याण तथा आरक्षित वर्गों के हितों की रक्षा हुई है। इसी कार्यक्रम में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई

कार्यक्रम के प्रारंभ में केन्द्रीय मंत्री के मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया ने प्रारंभिक कार्यक्रम की पृष्ठभूमि प्रस्तुत की तथा प्रारंभिक मंच संचालन किया। कार्यक्रम में एक वृत्त चित्र (डॉक्यूमेंट्री) भी दिखाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। एमडीयू कुल सचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने आभार प्रदर्शन किया। मंच संचालन का दायित्व प्रो. दिव्या मल्हान ने निभाया। एमडीयू के डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एएस मान, रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा, डीएसडब्ल्यू प्रो. रणदीप राणा, फैकल्टी डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी, आमंत्रित अतिथिगण, अन्य गणमान्य जन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

नई शिक्षा नीति देगी कौशल युक्त शिक्षा: मनोहर लाल

रोहतक। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) विद्यार्थियों को मन की रुचि के अनुसार शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मुहैया करवा रही है। विद्यार्थियों के कौशल विकास तथा हुनर को सुनिश्चित करने तथा शिक्षा को समाज-राष्ट्र से जोड़ने का रोड मैप यह नूतन नीति कर रही है। जरूरत है कि शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को एनईपी-2020 बारे जागरूक किया जाए ताकि इस शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वन हो सके। ये कहा है केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने। मंत्री रविवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि संबोधन दे रहे थे। "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020- भारतीय शिक्षा, संस्कार, मूल्य और आपके सुझाव" विषयक इस सम्मेलन में शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला।

सोशल आउटरीच पर फोकस

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत सोशल आउटरीच पर विशेष फोकस जरूरी है ताकि शिक्षा का उपयोग विद्यार्थी सामाजिक तथा सामुदायिक सरोकारों के लिए कर पाए। इस संबंध में उन्होंने सुझाव दिया कि 15 से 25 वर्ष तक के विद्यार्थियों को सोशल सर्वे का कार्य किया जा सकता है जिससे जन मानस की समस्याओं बारे पता चले तथा उनके कल्याण के लिए नीति बन सके। भारतीय भाषा शिक्षण के महत्व को मंत्री मनोहर लाल ने खुद के तमिल भाषा सीखने तथा उपयोग में लाने के उदाहरण से समझाया। सोद्देश्यपूर्ण शिक्षा की पूरजोर वकालत केंद्रीय मंत्री ने की। आमंत्रित वक्ता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विविध पहलुओं पर विस्तारपूर्वक बताया।

मकर संक्रांति-लोहड़ी पर्व पर जमकर खरीदारी

रोहतक। मकर संक्रांति की पूर्व संध्या रविवार को बाजारों में भीड़ दिखाई दी। लोगों ने रेवड़ी, गुड़ मूंगफली और गजक की खरीदारी की। पौष पूर्णिमा, आद्रा और पुनर्वसु नक्षत्र के शुभ संयोग के चलते यह पर्व नवविवाहिता और नवजात के लिए खुशहाली लेकर आया है। शाम 05:35 बजे से रात 08:10 बजे तक लोहड़ी जलाने का शुभ मुहूर्त है। इस मुहूर्त में अग्नि देव को प्रसन्न करने के लिए मूंगफली, तिल, गुड़, गजक, रेवड़ी को अर्पित किया जाता है। जिले के कई स्थानों पर आज भी लोहड़ी पर लोकगीतों पर नाच-गाने और नवविवाहिता के झटका पहनने की परंपरा कायम है। लोग लोकगीत गाकर अग्नि में हवन डालते है। वहीं, मूंगफली, गरी का गोला, छुआरे, बादाम, मखाने से बने आभूषण यानी झटका नवविवाहिता को पहनाया जाता है। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से नवविवाहिता का जीवन खुशहाल होता है।

नगर निगम से पकड़ने के लिए टीम भेजने की मांग

सेक्टर-14 में कुत्तों के आतंक से लोग परेशान, अब तक दर्जनों लोगों को काटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेक्टर-14 में आवारा कुत्तों का आंतक बढ़ता ही जा रहा है। इससे बच्चे, बुजुर्ग सहित हर कोई परेशान है। लोगों का कहना है कि यहां कुत्तों ने कई लोगों को काट लिया है जिसकी वजह से लोगों में भय बना हुआ है। इसके अलावा अचानक से कुत्तों की संख्या बढ़ रही है। लोग पैदल आने जाने में भी कतराने लगे हैं। इसके अलावा दुकान पर जाने के दौरान भी लोग हाथ में डंडा लेकर जाते हैं। कई लोगों ने पार्क में सैर करना छोड़ दिया है। स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन एवं नगर निगम से समाधान की मांग की है। मकान नम्बर 101 से 133 के आसपास के ब्लॉक से गुजर रहे लोगों को कुत्तों द्वारा काटा गया है। आरडब्ल्यूए सेक्टर 14 के पूर्व महासचिव एमएल अरोड़ा ने बताया कि आवारा कुत्तों ने यहां करीब दो वर्षों में लगभग 50 लोगों को काटा है। सीएम विंडो पर पिछले तीन वर्षों के दौरान दो बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन इन आवारा कुत्तों को पकड़ने की कोई कार्यवाही नहीं की गई। उन्हें सिर्फ झूठे आश्वासन ही मिले हैं। अभी भी सीएम विंडो पर दर्ज शिकायतें लंबित हैं। उन्होंने कहा नगर निगम को सरकार से बातचीत कर समस्या का स्थाई समाधान करवाना चाहिए।

बंदर भी कर रहे परेशान, घर से निकलना मुश्किल

एमएल अरोड़ा ने बताया कि सड़कों पर जहां आवारा कुत्तों का डर बना रहता है वहीं छतों पर बंदर उत्पात मचाते रहते हैं। बंदर भी कई लोगों पर हमला कर चुके हैं। जबकि सेक्टर 14 में कई वीआईपी लोग परिवार के साथ रहते हैं। प्रशासन को समय रहते हुए कार्यवाही करनी चाहिए।

अलग-अलग हादसों में दो लोग घायल

रोहतक। जिले दो अलग अलग जगह हुए सड़क हादसों में दो व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घायल राजकुमार ने नया बस अड्डा चौकी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह जसिया गांव का रहने वाला है। 10 जनवरी को वह अपनी मोटरसाइकिल पर दूध बेचने के लिए रोहतक आया हुआ था। जैसे ही शाम करीब साढ़े नौ बजे राजीव गांधी स्टेडियम के पास पहुंचा तो एक गलत दिशा से लाढ़ौत चौक की तरफ से एक कार आई। मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इसके बाद वह कार चालक कार को छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों ने उसे पीजीआई के ट्रामा सेंटर में दाखिल करवाया। जहां उसका उपचार किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं दूसरी घटना में सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को अज्ञात ट्रक चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

संसार में दूसरों के मत से अपनी धारणा बनाना आसान है। स्वयं अपनी धारणा लिए हुए एकाकी रहना भी आसान है, परन्तु महान पुरुष वह है जो भीड़ में रह कर भी मधुर मुस्कान लिए हुए अपनी स्वतन्त्र्य एकाकी धारणा बनाये रखता है।

– एमर्सन

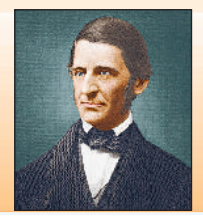

शोध और अन्वेषण बाल साहित्य के लिए जरूरी

यह एक बड़ी चुनौती है कि बेहतर बाल पुस्तकें विकसित हों, जितनी गंभीरता से पाठ्य पुस्तकों पर बात होती है, उससे अधिक गंभीरता गैर पाठ्य पुस्तक - पठन सामग्री विकसित करने पर भी अनिवार्य है। कारण–पाठ्य पुस्तक तो बच्चा शिक्षक और परिवार की देखरेख में बांचता है लेकिन मनोरंजक कहलाने वाली पुस्तकों को चुनने, पढ़ने के लिए बच्चा स्वतंत्र होता है।

मंथन

पंकज चतुर्वेदी

सरकार में बैठे लोग यह समझ गए हैं कि भले ही साक्षरता दर बढ़ने के आंकड़े उत्साहजनक हों लेकिन साक्षरता के मुख्य उद्देश्य जागरुकता और शब्दों का इस्तेमाल अपने दैनिक जीवन में करने की क्षमता विकसित नहीं हो सकती, जब तक बच्चे रंग, अंक, अक्षर और मानवीय संवेदना को आत्मसात नहीं कर सकते। यह सच है कि हमारी शिक्षा का आधार विद्यालय और वहां संचालित परीक्षाएं हैं। ऐसे में यह उत्साहजनक है कि सरकार ने दूरस्थ अंचल तक गैर पाठ्य पुस्तकों का बड़ा खजाना पहुंचाया। अधिकांश जगह बच्चों को वो पुस्तकें पढ़ने को मिल रही हैं जिसके आनंद में परीक्षा या प्रश्न बाधा नहीं बनते। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भी गैरपाठ्य पुस्तकों के महत्व और प्रसार पर जोर दिया गया है और स्वीकार किया गया कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा में रंग बिरंगी, कहानी की पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। चिंता की बात यह है कि हर साल कई सौ करोड़ रुपये की ऐसी किताबें खरीदी जा रही हैं लेकिन ऐसी किताबों के लेखन, विषय, चित्रांकन आदि पर अभी भी बहुत गंभीर शोध और दिशा निर्देश तैयार नहीं हो सके हैं। यह एक बड़ी चुनौती है कि बेहतर बाल पुस्तकें विकसित हों, जितनी गंभीरता से पाठ्य पुस्तकों पर बात होती है, उससे अधिक गंभीरता गैर पाठ्य पुस्तक - पठन सामग्री विकसित करने पर भी अनिवार्य है। कारण–पाठ्य पुस्तक तो बच्चा शिक्षक और परिवार की देखरेख में बांचता है लेकिन मनोरंजक कहलाने वाली पुस्तकों को चुनने, पढ़ने के लिए बच्चा स्वतंत्र होता है। भाषा, विषयवस्तु, चित्र, आकार, कागज सभी कुछ बदलते समय के साथ बदलाव चाहता है । सबसे पहले तो यह ही समझना होगा कि पाठ्य पुस्तकों, नैतिक शिक्षा की पुस्तकों और आनंददायक किताबों में बहुत बड़ा अंतर है। देश के आजाद होने के दस साल बाद ही जब पंडित नेहरू ने नेशनल बुक ट्रस्ट की स्थापना की थी तो उसकी पहली कुछ किताबें बच्चों के लिए ही थीं। वैसे भी नेशनल बुक ट्रस्ट के प्रकाशन का उद्देश्य बाजार को यह बताना था कि एक बेहतर पुस्तक कैसी हो? कई दशक तक नेशनल बुक ट्रस्ट और उसके बाद चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट की किताबें मानक बनकर बाजार में रही। मुक्त व्यापार व्यवस्था और तकनीकी में गुणवत्ता आने के बाद एक तरफ विदेशी किताबों का प्रभाव आया तो हमारी पारंपरिक सोच की बाल पुस्तकों पंचतंत्र, पौराणिक कथाओं, आदि में भी बदलाव आया। हिंसा, अभद्र भाषा, बदल, लैंगिक समानता, जाती-धर्म में सौहार्द, वैज्ञानिक सोच आदि विषय बाल साहित्य के लिए अनिवार्य बनते गए। यह कड़वा सच है कि बाल साहित्य की पुस्तकों का उपभोक्ता तो बच्चा है लेकिन उसका खरीदार नहीं। बाल पुस्तकों का सबसे बड़ा बाजार राज्य सरकारें हैं और वहां कुछ अफसर ही चयन का मापदंड तय कर लेते हैं। यह सच है कि नेशनल बुक ट्रस्ट, प्रकाशन विभाग या ऐसे ही सरकारी महकमों की किताबें खरीदने को प्राथमिकता दी जाती है लेकिन यह सभी संस्थाएं मिलकर भी हर साल इतनी किताबें छाप नहीं पाते कि हर साल देश के हर स्कूल को कुछ नई किताबें मुहैया करवा सकें। यही नहीं, इन संस्थाओं में भी अब बाल साहित्य को लेकर अनुसंधान आदि की कोई जगह नहीं हैं। कुछ साल पहले नेशनल बुक ट्रस्ट के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र की स्थापना की गई थी लेकिन अब वह लगभग ठप है। पौराणिक और लोक कथाओं को बच्चों के लिए चुनते समय यह ध्यान दिया जाता है कि उसमें हिंसा या ताकत पाने के लिए कुटिलता का इस्तेमाल न हो। अब तो पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन का खतरा समूची मानव जाति पर मंडरा रहा है और इसके प्रति संवेदनशीलता आनंददायक पठन सामग्री की प्राथमिकता होना चाहिए। एक बात और, आज भी बाल साहित्य में कलेक्टर, एसपी, संरपंच या विधायक नहीं हैं। शिक्षक, पोस्टमैन या पुलिस के अलावा कोई सरकारी विभाग नहीं दिखता। इसकी जगह बहुत सी रचनाओं में राजा-रानी-मंत्री ही चल रहे हैं । शायद यही कारण है कि हमारी नई पीढ़ी अभी भी लोकतंत्र में भरोसा नहीं कर पा रही है। सुदूर विद्यालयों तक बच्चों को ऐसी पठन सामग्री अवश्य मिले जिसमें वन विभाग या खाद्य विभाग आदि की कार्य प्रणाली और जिम्मेदारियों का उल्लेख हो। बाल मन और जिज्ञासा एक-दूसरे के पूरक शब्द ही हैं । वहीं जिज्ञासा का सीधा संबंध कौतुहल से है। शिशु काल में उम्र बढ़ने के साथ ही अपने परिवेश की हर गुत्थी को सुलझाने की जुगत लगाना बाल्यावस्था की मूल-प्रवृत्ति है। भौतिक सुखों व बाजारवाद की बेतहाशा दौड़ के बीच दूषित हो रहे सामाजिक परिवेश और बच्चों की नैसर्गिक जिज्ञासु प्रवृत्ति पर बस्ते के बोझ के कारण एक बोझिल सा माहौल पैदा हो गया है । ऐसे में बच्चों के चारों ओर बिखरे संसार की रोचक जानकारी सही तरीके से देना बच्चों के लिए राहत देने वाला कदम होता है। पुस्तकें इसका सहज, सर्वसुलभ और सटीक माध्यम रही हैं। जब हम 21वीं सदी की बात करते हैं तो सामाजिक, आर्थिक, भौतिक सुखों में बदलाव की बात पलक झपकते ही पुरानी होती प्रतीत होती है। इतना तेज परिवर्तन कि कल्पना का घोड़ा भी उससे पराजित हो जाए! विकास के बदलते प्रतिमान, नैतिकता के बदलते आधार, ज्ञान के आगम मार्ग की तीव्रता और भी बहुत कुछ जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग अछूता नहीं रहा। जाहिर है कि बच्चों पर इसका प्रभाव तो पड़ ही रहा है और उससे उनका जिज्ञासा का दायरा भी बढ़ रहा है। रंग, स्पर्श, ध्वनि और शब्द - इन सभी के व्यक्तिगत अनुभव, जो बचपन की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं, बालक के जीवन से दुर्लभ होते जा रहे हैं। एक जर्जर समाज व्यवस्था के बीच जीवन के लिए संघर्ष करती परंपराएं इन निहायत जरूरी अनुभवों को मुहैया कराने में सक्षम नहीं रह पा रही हैं। बालक बड़े अवश्य हो रहे हैं, लेकिन अनुभव जगत के नाम पर एक बड़े शून्य के बीच। पूरे देश के बच्चों से जरा चित्र बनाने को कहें तो तीन-चौथाई बच्चे पहाड़, नदी, झोपड़ी और उगता सूरज उकेर देंगे। बकाया बच्चे टीवी पर दिखने वाले डिज्नी चैनल के कुछ चरित्रों के चित्र बना देंगे। अनुमान है कि हमारे देश में सभी भाषाओं में मिलाकर पाठ्येत्तर पुस्तकों का सालाना आंकड़ा मुश्किल से दो हजार को पार कर पाता है और हिंदी में तो यह बमुश्किल 600 है। यह भी दुखद है कि अभी भी हिंदी में बाल साहित्य लिखने वाले को कोई 'स्तरीय बाल साहित्यकार' नहीं माना जाता। वह तो भला हो साहित्य अकादमी का कि उसने बाल साहित्य पर पुरस्कार देना शुरू कर दिया। दिवंगत लेखक डा. हरेकृष्ण देवसरे के परिवार वालों ने भी एक बाल साहित्य पुरस्कार शुरू किया है। बाल साहित्य में मनोरंजन, कौतुहल, पाठकों के भविष्य की चुनौतियों, आधुनिक दृष्टिकोण पर सामग्री समय की मांग है। एक बात और जो कड़वी है- हिंदी में बच्चों के लिए लिखने वालों को अपने आत्ममुग्धता और अखाड़े बनाने की प्रवृति से कुछ परहेज करना होगा, अभी समय अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का है। कभी देखें कि क्या उनकी किताब कोई उठाकर खुद पढ़ रहा है? नई या उपेक्षित विधायों जैसे - नाटक, काव्य-एकांकी, निबंध,साक्षात्कार, यात्रा-वृतांत, प्रेरक कथाओं पर काम किया जाना चाहिए। वृतांत या अनुभवों में 'मैं' से बचना तथा जीवनरित में महिमा मंडन से परहेज रखना नई सदी के बाल साहित्य के लिए जरूरी है। किसी घटना या व्यक्ति का निष्पक्ष चित्रण या प्रस्तुति बच्चों के लिए एक नसीहत की तरह होता है, जिससे बच्चे स्वयं ही कुछ सीख लेते हैं।

लघुकथा | पुष्पलता आर्य

ईमानदार

सूरज की प्रचंडता धरती का रोम-रोम झुलसा रही थी। कहीं बादल का कोई चिथड़ा दिख जाता बस।नारे लगाते -लगाते उसका कण्ठ सूखने लगा। सुबह से जो जुलूस में चिल्लाने लगा था वह...जुझारू और ईमानदार नेता भाई सुरजन सिंह...आज वक्त की यही पुकार,नेताजी हों ईमानदार। जैसे विशेषणों से अलंकृत उसके नारे और पसीने से तर कुर्ता उसे एक कर्मठ कार्यकर्ता बता रहे थे। जुलूस ने विराम लिया। मित्र जो केवल मौज मस्ती के उद्देश्य से साथ हो लिया था , घर के रास्ते में पूछ ही लिया , एक बात बतओ यार!ये सुरजन तो परले दर्जे का दुर्जन है, बेईमान है और तुम इसके लिए...! भाई साहब के भीतर का 'ईमानदार' मतदाता तपाक से बोला, अरे यार! मजबूरी में गधे को भी...हं हं हं। ईमानदार का क्या अचार डालना है ?अपनी बिरादरी का है। अगर जोर- जुगाड़ करके जीत गया तो सीधे -सीधे न सही कुछ ले-दे कर किसी-न-किसी नौकरी में फँसा ही देगा। मित्र महाशय ने फेफड़ों में लम्बी साँस भरकर ऊपर वाले की ओर छोड़ी तो देखा...सूरज बादलों में धीरे-धीरे ओझल हो रहा था।

कविता | प्रियंका सौरभ

आशा है नव साल की सुखद बने पहचान

खिली-खिली हो जिंदगी, महक उठे अरमान।
आशा है नव साल की, सुखद बने पहचान॥

दर्द दुखों का अंत हो, विपदाएँ हो दूर।
कोई भी न हो कहीं, रोने को मजबूर॥

छेड़ रही है प्यार की, मीठी-मीठी तान।
नए साल के पँख पर, ख़ुशबू भरे उड़ान॥

बीत गया ये साल तो, देकर सुख-दुःख मीत।
क्या पता? क्या है बुना? नई भोर ने गीत॥

माफ़ करे सब गलतियाँ, होकर मन के मीत।
मिटे सभी की वेदना, जुड़े प्यार की रीत॥

जो खोया वह सोचकर, होना नहीं उदास।
जब तक साँसे हैं मिली, रख ख़ुशियों की आस॥

पिंजड़े के पंछी उड़े, करते हम बस शोक।
जाने वाला जायेगा, कौन सके है रोक॥

पथ के शूलों से डरे, यदि राही के पाँव।
कैसे पहुँचेगा भला, वह प्रियतम के गाँव॥

रुको नहीं चलते रहो, जीवन है संघर्ष।
नीलकंठ होकर जियो, विष तुम पियो सहर्ष॥

दुःख से मत भयभीत हो, रोने की क्या बात।
सदा रात के बाद ही, हँसता नया प्रभात॥

चमकेगा सूरज अभी, भागेगा अँधियार।
चलने से कटता सफ़र, चलना जीवन सार॥

काँटें बदले फूल में, महकेंगें घर-द्वार।
तपकर दुःख की आग में, हमको मिले निखार॥

कविता | नृपेन्द्र अभिषेक नृप

पुराने साल की तस्वीर

पुराने साल की तस्वीर जब धुंधली नज़र आई,
वो खुशियाँ, वो ग़म, हर याद ज़िंदा नज़र आई।

दिसम्बर की दहलीज़ पर ठहरा हुआ हर पल,
नए साल की चादर में छुपा हुआ मंजर आई।

सितारों संग किया वादा, सुबह रोशन करेंगे,
अंधेरों की कहानी भी दिल को छू कर आई।

जनवरी के ख्वाबों में बसी एक नई दुनिया,
जहाँ उम्मीद की हर लौ, रौशनी बन आई।

पुरानी धड़कनों में जो कसक बाकी रही थी,
नए तराने सुनके दिल में ख़ुशी की लहर छाई।

दिसम्बर कह गया हमसे, सफर यूँ ही चलेगा,
जनवरी मुस्कुराई और कहा, सब सही होगा।

हर इक साल की दास्तां अब यूँ ही जुड़ती रहेगी,
खुशियों के दरख़्त पर हरियाली खिलती रहेगी।

कविता | रेखा शाह आरबी

शब्द

शब्द इतने समर्थ कहां है
मन के सारे भाव कहें ,
हो जाएंगे भूलोक से भारी
यदि संपूर्ण भाव सहे,

दुनिया भर के मोड़ इसमें
चंद शब्द यह कैसे कहें ,
सागर भी खारा है इससे
जिस हृदय सिंधु में रहे,

यदि भार से भारी लगे
कुछ आंखों से बहा देना ,
यदि नमक सा खारा है
तो कुछ मधु मिला देना,

दोनों ही स्थितियां
तुम पर ही छोड़ा है ,
जिस पन्ने पर नाम लिखा
वह अभी तक कोरा है ,

आगे क्या लिखे मिटाए
तुमको ही बतलाना है ,
पूर्व या पश्चिम दिशा
अब किधर जाना है।

लघुकथा | मनोज वार्ष्णेय

मेरी पतंग

सर, कुछ एडवांस रुपये मिल जाते तो मैं घर चला जाता'- दीपक ने आफिस का ताला लगाकर चाबी रामबाबू को सौंपते हुए विनम्रता पूर्वक निवेदन किया।

'.. पर दीपक, वेतन मिले हुए अभी दस दिन भी नहीं हुए और तुम्हारी यह डिमांड, मेरी समझ में कुछ नहीं आया' - रामबाबू ने दीपक के एडवांस मांगने पर प्रतिक्रिया देते हुए उसे कुछ ऐसे देखा जैसे उसने कोई गुनाह कर दिया हो।

'बात यह है सर, वेतन तो यहां बच्चों की पढ़ाई आदि में ही पूरा हो जाता है। पर इस बार पिताजी चाहते हैं कि मैं बच्चों के साथ संक्रांति गांव में ही मनाऊं, और आपको पिताजी के विषय में सब पता है', दीपक ने अपनी मजबूरी बताई। 'आप तो जानते ही हैं कि उनकी सेहत ठीक नहीं रहती है।

'हां, हां यह तो ठीक है पर फिर पूरा महीना कैसे चलेगा?

'चला लेंगे सर, लेकिन पिताजी की इच्छा को कैसे अनदेखा कर दिया जाए' ? दीपक अब लगभग गिड़गिड़ाते हुए बोला।

अचानक रामबाबू को याद आया, जब वह गांव से नया-नया आया था और पिताजी ने उससे दीपावली पर घर आने के लिए कहां था, पर रुपये ना होने पर वह जा नहीं सका था और जब गांव गया था तो पिताजी उसे टुकर-टुकर देखते ही रह गये थे।

'सुनों दीपक, सुबह जब आफिस आओ तो घर से ले लेना और हां, मेरी ओर से पिताजी के लिए मिठाई जरूर ले जाना'।

'ठीक है सर', दीपक ने रामबाबू की तरफ देखकर जवाब दिया तो ना जाने उसे ऐसा क्यों लगा, जैसे गांव में कटी पतंग को लूट नहीं पाने पर पिताजी उसे कह रहे हैं, अरे दीपू कोई बात नहीं, यह ले पैसे और ले आ पतंग, हम मिलकर उड़ायेंगे।

'हिन्दी काव्य विभूषण' की मानद उपाधि से सम्मानित साहित्यकार आशमा कौल का मानना है कि युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति और सभ्यता से दूर होती जा रही है। ऐसे में युवाओं को साहित्य के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है, क्योंकि साहित्य युवा वर्ग को स्वस्थ, कलात्मक और ज्ञानवर्धक मनोरंजन प्रदान के साथ उनके चरित्र निर्माण में भी सहायक होता है। वहीं, साहित्यकारों को भी अच्छे साहित्य सृजन करने की जरूरत है।

साक्षात्कार | **ओ.पी. पाल**

युवाओं को साहित्य के लिए प्रेरित करने की जरूरत : आशमा कौल

साहित्य के क्षेत्र में विभिन्न विधाओं में समाज को नई दिशा देते आ रहे लेखकों में हिंदी भाषी ही नहीं, बल्कि देश की विभिन्न भाषा के लेखक भी हिंदी साहित्य के संवर्धन के लिए साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में कश्मीर के श्रीनगर में जन्मी महिला साहित्यकार आशमा कौल हैं, जो कश्मीरी भाषी होने के बावजूद हिंदी भाषा में अपने रचना संसार को आगे बढ़ाते हुए साहित्य सृजन करने में जुटी हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षित होने के बाद हरियाणा में बसी आशमा कौल अपनी लेखनी से कहानियों, लघुकथाओं और खास तौर से कविताओं के जरिए समाज के बिगड़ते ताने-बाने के बीच समाज को परंपराओं के प्रति सकारात्मक ऊर्जा देने का प्रयास कर रही हैं। हिंदी की सुपरिचित कवयित्री के रूप में लोकप्रिय आशमा कौल ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिनमें सामाजिक व्यवस्था का विचलन, मूल्य विघटन जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों का हल साहित्य से संभव है। हरियाणा में साहित्य साधना कर रही साहित्यकार आशमा कौल का जन्म श्रीनगर में नानी के घर हुआ, लेकिन उनका पालन पोषण दिल्ली में पिता बिहारी लाल पारिमू और माता रीता पारिमू ने किया, जहां उनके पिता केंद्र सरकार में कार्यरत थे। परिवार में कोई लेखक नहीं था, लेकिन माता ने कश्मीर में रत्न भूषण प्रभाकर किया था, इसीलिए घर में कश्मीरी, हिन्दी और अंग्रेजी तीनों भाषाएं व्यवहार में शामिल रही।

आशमा बचपन में अपनी बनाई कोई कविता मां को सुनाती, तो वह विस्मित होती और खुश भी होती। मां के कहने पर ही उसने अपने भावों को एक डायरी में लिखना शुरू कर दिया था। बकौल आशमा कौल, वैसे तो उसने छठी-सातवीं कक्षा में ही कविता लिखना शुरू कर दिया था, लेकिन उनकी पहली कविता 'क्षितिज' कॉलेज की पत्रिका में छपी थी और सुंदर पेंटिंग की किताब देकर उसे पुरुस्कृत किया गया। ऐसे में साहित्य के प्रति उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। उनका कहना है कि उनका साहित्यिक सफ़र बहुत ही रोमांचक रहा। मसलन विवाह से पहले वह बहुत अंतर्मुखी और एकांतप्रिय लड़की थी और शोर-शराबे से दूर बैठकर या तो कोई कविता लिख रही होती या कोई पेंटिंग बना रही होती थी। उस समय पिता को कविता लिखना बेकार लगता और वह उसे पढ़ाई पर ध्यान देने को कहते, लेकिन वह छिप-छिप कर कविताएं लिखकर मां और बड़ी बहन को सुनाती थी। साल 1987 में उनका विवाह हुआ और वह फरीदाबाद आकर बस गई। खास बात ये रही कि कुछ साल बाद ही फरीदाबाद में कुछ लेखक उनके मित्र बन गए और वह फिर से लिखने लगी। उनकी डायरी की कुछ कविताएं दिल्ली हिन्दी अकादमी के सहयोग से 'अनुभूति के स्वर' संग्रह में आई और कुछ कविताएं हरियाणा साहित्य अकादमी के सहयोग से 'अभिव्यक्ति के पंख' संग्रह में आई। वह बहुत भाग्यशाली रही कि इन संग्रहों की प्रस्तावना वरिष्ठ साहित्यकार स्वर्गीय कमलेश्वर, आकाशवाणी के महानिदेशक कुबेर दत्त, स्वर्गीय दिनेशनंदिनी डालमिया, चंद्रकांता, लक्ष्मी शंकर वाजपायी, अमरनाथ अमर और उपेन्द्रनाथ रैना ने लिखी। उनकी रचनाएं राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रही हैं। वहीं उनकी कविताओं का प्रसारण आकाशवाणी एवं दूरदर्शन से भी हो रहा है। उनकी रचनाओं का फोकस हमेशा सामाजिक विद्रूपताओं पर रहा है। जबकि काव्य संग्रह 'बीज ने छू लिया आकाश' की अधिकांश कविताएं प्रकृति से ही प्रेरित हैं, जिसे वर्ष 2024 का 'जयपुर सम्मान' प्राप्त हुआ। उनकी भाषा कश्मीरी है, लेकिन उनका लेखन हिन्दी में रहा है। कश्मीर पर उनका काव्य संग्रह 'जन्नत ए कश्मीर' है, जिसमें वहाँ की सुंदरता और आतंकवाद से जुड़ी कविताएं हैं। वे सर्वभाषा राष्ट्रीय कवि सम्मेलन (कटक) में बतौर कश्मीरी अनुवाद-कवयित्री के रूप में आपकी सहभागिता करने के साथ कई साहित्यिक और सामाजिक संस्थाओं की सदस्य भी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ महिला साहित्यकार आशमा कौल की अब तक करीब एक दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें नौ काव्य संग्रह-अनुभूति के स्वर, अभिव्यक्ति के पंख, बनाए हैं रास्ते, 'जिंदगी एक पहेली, जन्नत-ए-कश्मीर, बीज ने छू लिया आकाश, स्मृतियों कीआहट, मन के मनके और'नाजुक लम्हे सुर्खियों में हैं। इसके अलावा उनका एक लघु कथा संग्रह 'दोषी कौन' भी लोकप्रिय है। काव्य संग्रह 'जन्नत-ए-कश्मीर' का अंग्रेजी अनुवाद '**Kashmir the Paradise on Earth**' के नाम से प्रकाशित हो चुका है। उनके दो संग्रह (कहानी और काव्य) जल्द ही पाठकों के बीच होंगे।

आशमा कौल

पुरस्कार व सम्मान

आशमा कौल को हिंदी साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'शब्द गंगा साहित्य सम्मान', परमहाकवि रसखान राष्ट्रीय शिखर साहित्य सम्मान', अखिल भारतीय 'अम्बिका प्रसाद दिव्य रजत अलंकरण सम्मान', 'जयपुर साहित्य सम्मान', 'शिल्पी चड्ढा स्मृति सम्मान', 'भारती भूषण', 'हिन्दी काव्य विभूषण' की मानद उपाधि,'शब्द माधुरी' सम्मान, 'अंतरंग कला सम्मान', राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान, 'स्मृति साहित्य सम्मान', 'काव्य-रतन' सम्मान, इंडो-पाक तंजीमे एहसासात' से 'साहित्य शिल्पी' सम्मान', शकुंतला कपूर स्मृति श्रेष्ठ लघु कथा सम्मान नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : आशमा कौल
जन्मतिथि : 18 अक्टूबर, 1961
जन्म स्थान : श्रीनगर (कश्मीर)
शिक्षा : वाणिज्य स्नातक (डीयू), रूसी भाषा में डिप्लोमा, पत्रकारिता एवं जनसंचार, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो से अनुवाद प्रशिक्षण।
संप्रति : सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी, केंद्रीय कृषि मंत्रालय।

सामाजिक विमर्श पर फोकस 'ठूंठ'

पुस्तक : ठूंठ
लेखक : गोविंद शर्मा
मूल्य : 225 रुपये
प्रकाशक : साहित्यगार

पुस्तक समीक्षा | **शशि कांत चौहान**

वरिष्ठ साहित्यकार गोविंद शर्मा का पांचवां लघुकथा संग्रह है 'ठूंठ'। गोविंद शर्मा मूल रूप से बाल साहित्यकार हैं, लेकिन व्यंग्य और लघु कथा विधा में भी उनका कोई जवाब नहीं है। उनकी लघु कथाओं में भी व्यंग्य का पुट रहता है और उनकी रचनाएं व्यंग्य के जरिए मानव को सचेत करती नजर आती हैं। उनकी लघु कथाओं के अनेक अकाल संग्रह अब तक प्रकाशित प्रशंसित और सम्मानित हो चुके हैं। ठूंठ संग्रह में कुल 100 लघुकथाओं का संकलन है। उनके इस संग्रह की तमाम रचनाएं समाज के विभिन्न मुद्दों और समस्याओं पर संदेश देती हैं। इन लघु कथाओं में सामाजिक सरोकारों के साथ विकृत होती राजनीति, बिखरते पारिवारिक रिश्ते, समाज में फैला भ्रष्टाचार, बेटा बेटी में भेद, पर्यावरण, मानवीय दोहरा चरित्र, कुर्सी की भूख और गरीबों का सच उजागर होते नजर आते हैं। शीर्षक लघु कथा में लेखक ने समाज की सोच पर कटाक्ष किया है कि जिस तरह पुराने सूखे पेड़ ठूंठ को लोग बेकार समझते हैं उसी प्रकार घर में काम करने वाले बुजुर्ग को भी बेकार समझने लगते हैं। 'वजह' में राजनीतिक भ्रष्टाचार के दर्शन होते हैं। जब सैलाब में नदी का पुल बह गया और प्रतीकात्मक रूप से उसके खिलाफ बोलने वालों का मुंह बंद करवा दिया जाता है। लघुकथा 'बहाना' में भी दल बदल करने वाले पार्टी लोग किस तरह से ईमानदार लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हैं। 'अनुभव' ऐसी लघुकथा है जो इंसान को आईना दिखाती है। लोग कहते हैं कि बुजुर्गों के अनुभव से सीख लेनी चाहिए, लेकिन हकीकत यह है कि लोग बुजुर्गों के अनुभव से कुछ भी सीखने के लिए तैयार नहीं। 'बराबरी' उन लोगों पर कटाक्ष है जो सिर्फ कहने के लिए बेटा-बेटी की समानता का राग अलापते हैं, जबकि व्यवहार में वे उसके विरोध में खड़े हो जाते हैं। 'अपनी बात नहीं सुनी' में भी लेखक ने लोगों के दोहरे चरित्र को उजागर किया है। कहने को तो लोग कहते हैं कि दावत में खाना बेकार न करें, लेकिन स्वयं इसका पालन नहीं करते हैं लोगों की ईमानदारी पारिस्थितिक जन्य है। यह बात 'ईमानदार' लघु कथा के जरिए समझने का प्रयास किया है। अगर राशि छोटी है तो व्यक्ति ईमानदारी की मिसाल पेश करने को उद्यत रहता है और अगर राशि बड़ी हो तो लोग ईमानदारी को पैर रख देते हैं। मुंहबंदी और भूख में लेखक ने यह दिखाया है कि गरीब इंसान अपने बच्चों का भूख से दान कैसे हटाता है। गोविंद शर्मा के साहित्य की यह खासियत है कि उनकी पुस्तक को पाठक जब पढ़ना शुरू करता है तो खत्म करके ही उठता है। इस संग्रह की सारी रचनाएं रोचक एवं प्रेरणाप्रद हैं। भाषा शैली सरल एवं सुगम है। पुस्तक का आवरण लाजवाब है, गोविंद शर्मा को इस पुस्तक के लिए साधुवाद।

खबर संक्षेप

जूडो में एमडीयू ने रनर्स अप ट्रॉफी जीती

रोहतक। जीएनडीयू अमृतसर में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी पुरुष एवं महिला जूडो प्रतियोगिता में एमडीयू के रोहित ने 100 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। गत शनिवार को गर्वित ने 73 किलो भार वर्ग में गोल्ड जीता था। इसके साथ ही एमडीयू ने नॉर्थजोन पुरुष जूडो प्रतियोगिता में रनर्स अप ट्रॉफी जीती। महिला प्रतियोगिता में कुमारी प्रीति ने सिल्वर मेडल जीत कर ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

मकर संक्रांति पर बुजुर्गों को सम्मानित किया

रोहतक। जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिन्द द्वारा रविवार को मकर सक्रांति पर्व पर बुजुर्गों को कंबल व टोपी भेंट करके सम्मानित किया। साथ ही जयहिन्द ने ऐलान किया कि 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस की जयंती से लेकर 23 मार्च बलिदान दिवस तक सदस्यता अभियान शुरू किया जाएगा। जयहिन्द ने बताया कि हम पूरे हरियाणा प्रदेश से सौ क्रांतिकारी योद्धा नेता तलाश करेंगे जो बिना डरे लोगों के हक की आवाज उठा सकें। साथ ही 2100 योद्धा भी तलाश करेंगे, जो सौ क्रांतिकारी नेताओं की मदद कर सकें।

लड़कियों की दौड़ में अवनी, सुनीता व वंदना प्रथम, लड़कों में यश प्रथम

मायना में खेल महोत्सव का समापन, 450 से भी अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया

रोहतक। विजेताओं को सम्मानित करते मुख्यातिथि ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त और खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान वालीबॉल में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

युवा दिवस के उपलक्ष में नव युवा फाउंडेशन द्वारा नेहरू युवा केंद्र माय भारत रोहतक व खेलो भारत रोहतक के सहयोग आयोजित दो दिवसीय खेल महोत्सव आगाज़ ए जोश का समापन हो गया। जिसमें 450 से भी अधिक खिलाड़ियों ने भाग किया।

जिला युवा अधिकारी आशीष सांगवान ने बताया कि मायना में आयोजित इस महोत्सव के दूसरे दिन खो-खो , वालीबॉल, रिले रेस, योग, लोंग जंप व स्प्रिंट आदि खेलों का आयोजन किया गया। इस दौरान ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त मुख्य अतिथि रहे। जिन्होंने पुरुषों की 30-50 आयु वर्ग स्प्रिट का आग़ाज़ कराया। इस स्पर्धा में आशीष ने प्रथम, सोमबीर द्वितीय व पोवेंद्र ने तृतीय स्थान हासिल किया। लड़कियों की जावेलिन स्पर्धा में कोमल ने प्रथम, मानसी द्वितीय व राखी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा विभिन्न श्रेणियों की दौड़ में अवनी, सुनीता व वंदना प्रथम, मानवी, सोनिया व मानसी द्वितीय और अंतिम, कुसुम व राखी ने तृतीय

■ दूसरे दिन खो-खो वालीबॉल, रिले रेस योग, लोंग जंप व स्प्रिट आदि खेलों का आयोजन किया गया

स्थान हासिल किया। वालीबॉल के फाइनल मैच में अर्जुन व मनजीत की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें मंजीत की टीम विजयी रही। योगेश्वर दत्त ने खेलों में सफलता का गुरुमंत्र दिया। वहीं लड़कों की विभिन्न श्रेणियों की दौड़ में यश, अमन व नमन प्रथम, ध्रुव, भगेश व हिमांशु ने द्वितीय और गौरव, अनीश व सोमबीर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह से रीले रेस में लड़कों व लड़कियों की 12 से अधिक टीमों ने भाग लिया, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में संकेत व दीपिका की टीम प्रथम, सागर व वंदना की टीम द्वितीय व मेघराज व सारिका की टीम तृतीय रही। सुमित, वंदिता, विनीत व अर्जुन ने कोच की भूमिका निभाई। समाजसेवी व पूर्व सरपंच कमल सिंह ने विजेताओं को सम्मानित किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नव युवा फाउंडेशन के अतिरिक्त निदेशक सिद्धार्थ, खेलो भारत की ओर से समन्वयक पवन दुबे, बलवान, अंकिता, नव युवा फाउंडेशन की ओर से सुमित, सिद्धार्थ, अंकिता, दीपक, गौतम, नितीश, प्रवेश, पूजा, ममता, वंदिता, अभिषेक, विशाल, मोहिनी, निशु, दिव्या, सुमन, चंद्रमणि, निशांत, रवि, अमन, विनीत आदि मौजूद रहे।

जॉब सिक्योरिटी के वादे को भूल गई सरकार : जयकुंवार दहिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन रोहतक डिपो कमेटी की हुई मीटिंग

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन रोहतक डिपो कमेटी की मीटिंग यूनियन कार्यालय नया बस स्टैंड पर हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रधान नरेश सिवाच और संचालन राज्य उपाध्यक्ष एवं डिपो सचिव जयकुंवार दहिया ने किया। यूनियन के महासचिव सुमेर सिवाच व राज्य कार्यालय सचिव सतबीर मुंडाल मुख्य वक्ता रहे। मीटिंग का मुख्य एजेंडा हरियाणा सरकार को चुनाव के दौरान किया गया वायदा याद दिलाते हुए हरियाणा में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के नाम पर जॉब सिक्योरिटी देना रहा, आज हरियाणा सरकार पूरे हरियाणा में कच्चे कर्मचारियों को नौकरी से बाहर करने का काम कर रही है। रोहतक पीजीआई में वर्षों से कार्य कर रहे कर्मचारियों को गैर हाजिर दिखा कर नौकरी से बाहर करने के आदेश दिये गए हैं।

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन द्वारा इन आदेशों की निंदा की गई और प्रस्ताव पास किया गया एवं सरकार से यूनियन ने मांग की कि हरियाणा सरकार इन आदेशों को तुरंत वापिस ले अन्यथा रोडवेज के कर्मचारी आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

परिवहन मंत्री से वार्ता के लिए संपर्क किया जाएगा

मीटिंग में नेताओं द्वारा परिवहन मंत्री को दिए गए कर्मचारियों की राज्य स्तरीय मांग पत्र पर चर्चा करते हुए निर्णय लिया कि परिवहन मंत्री अनिल विज को एक बार फिर से मांग पत्र पर वार्ता के लिए संपर्क किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

मीटिंग में महासचिव सुमेर सिवाच, राज्य उपाध्यक्ष जयकुंवार दहिया, राज्य कार्यालय सचिव सतबीर मुंडाल, डिपो प्रधान नरेश सिवाच, डिपो उप प्रधान प्रदीप हुड्डा, कोषाध्यक्ष बलजीत सिंह, सह सचिव राजीव कुमार, डिपो आडिटर जयबीर फौजी आदि उपस्थित रहे।

सीईटी: केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मिला इनसो प्रतिनिधिमंडल

रोहतक। एमडीयू के फैकल्टी हाउस में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात करते इनसो छात्र नेता दीपक मलिक व अन्य सदस्य।

■ इनसो प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को सौपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सीईटी में नेपाल और भूटान के छात्रों को मोका देने व सीईटी में फीस के दोहरे मापदंड को लेकर इनसो प्रतिनिधिमंडल ने इनसो छात्र नेता दीपक मलिक के नेतृत्व में एमडीयू के फैकल्टी हाउस में पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की। इनसो छात्र नेता दीपक मलिक ने केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौपकर उनके सामने सीईटी के मुद्दे को रखा।

हरियाणा के छात्रों में रोष

इनसो छात्र नेता दीपक मलिक ने कहा की सीईटी में जो नया नोटिफिकेशन जारी किया है, उसमे खामियां हैं, जिससे हरियाणा के छात्रों को रोष है। सीईटी की परीक्षा में नेपाल और भूटान के छात्रों को मौका देना और फीस को लेकर दोहरे मापदंड छात्रों के साथ अन्याय है। इनसो नेता दीपक मलिक ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान कहा कि आप हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे हो अब हरियाणा के करनाल से सांसद हो आपका दायित्व बनता है हरियाणा के युवाओं की बात उठाना उनको हल करवाना। पूर्व मुख्यमंत्री ने छात्रों की बात को सुना और जल्द हरियाणा सरकार से बात करके समाधान की बात कही। गौरतलब है कि जब से नया नोटिफिकेशन आया है इनसो छात्र नेता दीपक मलिक सीईटी के मुद्दे पर नेपाल और भूटान के छात्रों को मोका देने को लेकर लगातार विरोध कर रहे हैं तथा सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं ।

रोहतक। कार्यकर्ता को सम्बोधित करते जिला चुनाव संगठनात्मक सह अधिकारी सुखबीर चंदेलिया।

कलानौर विधानसभा की रायशुमारी की जिम्मेदारी प्रतिभा सुमन और उदयभान मलिक को सौंपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

संगठनात्मक चुनाव के मद्देनजर रविवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंगल कमल में रोहतक विधानसभा का संगठनात्मक चुनाव जोश के साथ संपन्न हुआ। रोहतक जिला के चुनाव अधिकारी संदीप जोशी व प्रदेश चुनाव सह अधिकारी नागेन्द्र शर्मा के दिशा निर्देशानुसार मंडल के इस चुनाव को शांति पूर्ण तरीके से संपन्न करवाया गया।

चुनाव में जिला चुनाव संगठनात्मक सह अधिकारी सुखबीर चंदेलिया ने मंडलों का चुनाव सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराया। संगठन के सभी कार्यकर्ताओं ने अनुशासन का परिचय देते हुए अपने मत का व अपनी रायशुमारी का उपयोग किया।जिला अध्यक्ष अधिवक्ता रणबीर सिंह ढाका ने जिला के अंतर्गत आने वाले चारों विधानसभाओं के सभी मंडलों में कार्यकर्ताओं की रायशुमारी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर खुशी जाहिर की। कलानौर विधानसभा की रायशुमारी की जिम्मेदारी प्रतिभा सुमन और उदयभान मलिक को दी गई।

गढ़ी-सांपला-किलोई विधानसभा में दिनेश धिलौड़ और वीर सिंह हुड्डा को जिम्मेदारी दी गई थी जबकि महम विधानसभा की जिम्मेदारी राजू सहगल और सत्येंद्र परमार को दी गई थी। रोहतक जिला के सभी मंडल अध्यक्षों ने पार्टी के प्रति समर्पण दिखाते हुए रायशुमारी के इस कार्य में भाग लिया।

जय श्री राम के जयकारे लगा निकाली ध्वजा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शनि देव मित्र मण्डल तेज कॉलोनी द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से पैदल ध्वजा यात्रा श्री बालाजी धाम डोभ के लिए निकाली गई। भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम गांव डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि प्रत्येक रविवार यात्रा का आयोजन किया जाता है। धाम पर संकीर्तन, स्वास्थ्य जांच शिविर व भंडारा लगाया जाता है। दुर्गा भवन मंदिर से ज्योत प्रचंड कर यात्रा की शुरुआत की गई। हाथ में ध्वजा लिये जय श्री राम के जयकारे लगाते हुये भक्त श्री बालाजी धाम पहुंचे। उन्होंने बताया कि साथ ही हर रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाता है, जिसमें मरीजों की जांच के साथ साथ दवाइयां और चश्मे निःशुल्क दिये जाते हैं।

संकीर्तन का आयोजन

रविवार को धाम पर बालाजी का सुंदर संकीर्तन हुआ, जिसमें कलाकारों ने भजनों का गुणगान किया, साथ ही रिंकू महादेव द्वारा सुंदर सुंदर झाकियों की प्रस्तुति दी गई। प्रधान ने बताया कि 13 जनवरी पूर्णिमा श्री बालाजी धाम डोभ पर धूमधाम से मनाई जायेगी। इस दिन भंडारा, संकीर्तन, भक्तमेला एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक लगाया जाएगा।

रोहतक। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में मरीज की जांच करते डॉक्टर।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नवीन तनेजा, रमेश गुप्ता, बिट्टू दुआ, हर्षित कोचर, विनोद गुप्ता, सुरेश गर्ग, राजेश कुमार, दीपक प्रकाश जैन, जतिन ठकराल, रवि चिटकारा, बल्लू शाह, अमित कौशिक, राजेश गोयल, पंडित नरेश कौशिक आदि उपस्थित रहे।

कीर्तन समागम : इन्हीं की किरपा के सजे हम हैं सुन निहाल हुई संगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डीएलएफ कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा बाबा सोमा शाह में रविवार को दशम सिख गुरु श्री गुरू गोबिंद सिंह साहिब के प्रकाश पर्व को समर्पित विशेष कीर्तन समागम का आयोजन किया गया। दूर-दूर से पहुंची संगत ने दरबार साहिब में माथा टेक कर सुख शांति की अरदास की। हेड ग्रंथी भाई गुरजीत सिंह ने बताया कि 10 जनवरी को प्रारंभ किए गए श्री अखंड पाठ साहिब का भोग डाला गया। इसके बाद गुरुद्वारा में निशान साहिब की स्थापना की गई। कीर्तन समागम में हजूरी रागी बीबा मनजोत कौर ने अपनी मधुर वाणी में इन्हीं की किरपा के सजे हम हैं, सूरा सो पहचानिए सहित अन्य शब्द प्रस्तुत कर संगत को निहाल किया। नन्हे बालक प्रभजस सिंह व गगनदीप सिंह तथा बीबियों के जत्थे ने भी अपनी वाणी से सभी का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर चरण शाह सिंह, गुरमीत शाह सिंह, सरदार लाभ सिंह, हजूरी रागी बीबा मनजोत कौर, कुलदीप सिंह सोनी, सरदार हरिंद्र सिंह, वीरेंद्र गोसाईं, मीत कौर, हरजीत कौर, सोनिया, अरविंदर कौर, गगनदीप सिंह, सोनम, कपिल बजाज, इशिता, मनीष बजाज आदि मौजद रहे।

प्रभु तेरा ओम नाम सबका सहारा है सारे ब्रह्मांड का जीवन आधारा है : पवनजीत

रोहतक। महाशय धर्मचंद गांधी आर्य समाज मंदिर मानसरोवर कॉलोनी में सत्संग व यज्ञ का आयोजन किया गया। जितेंद्र शास्त्री ने वैदिक मंत्रों से यज्ञ करवा कर यजमान मीना भाटिया एवं यशपाल भाटिया को आशीर्वाद दिया और उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने सभी को लोहड़ी और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी।

भजनोपदेशक पवनजीत आर्य ने बहुत सुंदर प्रभु भक्ति के भजन प्रभु तेरा ओम नाम सबका सहारा है, सारे ब्रह्मांड का जीवन आधारा है, हम सब मिलकर दाता आए तेरे दरबार, पुरूषार्थ के बिना तो प्रार्थना अधूरी है आदि भजन सुनाकर सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पटियाला से आए अरूण आर्य ने भी भजन प्रस्तुत किए। मीना भाटिया ने बताया कि लोहड़ी और मकर संक्रांति का पर्व भारत और नेपाल में मनाया जाता है। पोष मास में जिस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करता है, उस दिन मकर संक्रांति मनाई जाती है। हर साल मकर संक्रांति के एक दिन पहले संध्याकाल में लोहड़ी पर्व मनाते हैं। इस साल 13 जनवरी को लोहड़ी मनाई जाएगी। लोहड़ी के दिन रात्रि में अग्नि जलाकर उसमें तिल, गुड़, मूंगफली, रेवड़ी, खील और मक्की के दानों की आहुति दी जाती है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व प्रधान एवं सरपरस्त सुरेश मित्तल, प्रधान रमेश चंद्र मल्होत्रा, उपप्रधान राजेंद्र नासा, नन्दलाल, डॉ. रोहतास देसवाल, सुरेंद्र, अर्जुन, सुनील, कृष्णा गांधी, फूला रानी, वीना सेतिया आदि उपस्थित रहे।

करंट लगने से युवक की मौत डेढ़ घंटे तक खंभे से चिपका रहा

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर नाथूपुर चौक पर बिजली निगम की लापरवाही के कारण एक घर का चिराग बुझ गया। हादसे का शिकार युवक कंपनी से अपने घर लौट रहा था। लौटते समय चौक पर बिजली के तारों से करंट लग गया। जिससे युवक डेढ़ घंटे तक खंभे से चिपका रहा। परिजन उसे लेकर निजी अस्पताल में पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

रेलवे स्टेशन की तीसरी आंख बंद, सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवाल

- बहुत बार होती है स्टेशन पर वारदात, सीसीटीवी के अभाव में घूमते रहते है आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रेलवे स्टेशन की तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरे खराब होने से सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। किसी वारदात के बाद न ही आरोपी की पहचान हो सकती है और न ही पुलिस को सबूत मिल पाते हैं। ऐसे में स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरा होना बहुत जरूरी है। कई मामलों में कैमरों की कमी की वजह से जांच प्रभावित हो चुकी हैं। इन हालात में यात्रियों की सुरक्षा भी राम भरोसे हो गई है। दिल्ली-बठिंडा रेलवे सेक्शन के प्रमुख स्टेशनों में शामिल ए ग्रेड स्टेशन रोहतक जंक्शन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे प्रशासन गंभीर नहीं है। रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में वाहन चोरी व यात्रियों के बैग चोरी की घटनाएं भी हो रही हैं। लेकिन स्टेशन परिसर पर सीसीटीवी कैमरे न होने से यात्रियों की सुरक्षा खतरे में हैं। यहां से रोजाना 40 हजार से ज्यादा यात्रियों का आवागमन होता है। लेकिन उसके बाद भी यहां सीसीटीवी की कोई व्यवस्था नहीं है।

2016 में बनी थी कैमरे लगाने की योजना

दिल्ली मंडल के आरपीएफ अफसर बताते हैं कि वर्ष 2016 में प्लानिंग बनी थी कि निर्भया फंड से रोहतक रेलवे स्टेशन पर 20 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए तत्कालीन आरपीएफ इंस्पेक्टर एसपी सिंह से प्वाइंट चिह्नित कर प्रस्ताव में उन स्थानों का नाम लिखकर भेजने को कहा गया। रिपोर्ट में सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफार्म नंबर एक और दो के जींद व दिल्ली छोर, फुटओवर ब्रिज, वैश्य संस्था की तरफ माल गोदाम सहित अन्य स्थानों पर कैमरे लगाने की बात सामने आई थी। बताया जाता है कि आरपीएफ के मुख्यालय तक पहुंचने के बाद रिपोर्ट फाइलों में सिमट कर रह गई। इसके बाद से ही कैमरों का लेकर रेलवे गम्भीर नहीं है।

हाईटेक कैमरे लगाए जाएंगे

रेलवे स्टेशन पर नए भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। कुछ कैमरे खराब चल रहे हैं। नया भवन तैयार होने पर यहां हाईटेक कैमरे भी लगाए जाएंगे।

बलराम मीणा, अधीक्षक, रेलवे स्टेशन

इन मामलों में पड़ती कैमरे की जरूरत

अक्सर देखने में आता है कि रेल में सफर करने वाले यात्रियों से पर्स, मोबाइल आदि सामान लूट लिया जाता है। रेलवे स्टेशन परिसर में खड़े वाहन और बैग चोरी कर लिए जाते हैं। इसके अलावा अपराधी किसी वारदात के बाद फरार होने के लिए रेल गाड़ियों का प्रयोग करते हैं। साथ ही जिले में से लापता होने वाले बच्चों और लोगों की तलाश के लिए पुलिस को कैमरों की जरूरत पड़ती है। इन मामलों में कैमरा नहीं होने की वजह से पुलिस को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

खो-खो में विद्यार्थियों ने किया बेहतर प्रदर्शन

रोहतक। शहीद कैप्टन दीपक शर्मा पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर के दूसरे दिन का आरंभ स्वयंसेवकों ने प्रार्थना व योगभ्यास से किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने विद्यालय में साफ़-सफ़ाई की। स्वयंसेवकों के लिए खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रविवार को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वयंसेवकों ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डाला और उन्हें याद किया। आज के युग में भी हम सभी को एक साथ मिलकर कार्य करना चाहिए, जिससे समाज का निर्माण हो सके और समाज में एक नई चेतना का संचार हो सके। युवाओं को प्रेरित किया गया कि वे अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएं, जिससे आगे बढ़ सकें।

शिविर में 75 लोगों ने करवाई जांच

रोहतक। दुर्गा कॉलोनी में निशुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा कैंप लगाया गया, जिसमें 75 लोगों ने ईलाज करवाया। डॉ. विजय कपूर ने कहा कि लोग दैनिक भागदौड़ में लगे रहते हैं और शरीर को भी कमजोर बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय पर ना खाना, ना सोना और समय पर ना उठना ही हमारे शरीर में बीमारियों का कारण बनाता है। हम सुबह जल्दी उठना शुरू करें, सुबह का नाश्ता भरपूर और पौष्टिक करें और रात को कम खाएं और जल्दी सो जाएं, सिर्फ इतना बदलाव करने से ही हम शरीर की 80 प्रतिशत बीमारियों को जड़ से बिना किसी दवाइयों के खत्म कर सकते हैं। संस्था के महासचिव राजेश खुराना ने कहा कि आगे भी इस तरह से निशुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा कैंप लगाए जाएंगे।

रोहतक। खिलाड़ी का स्वागत करते हुए।

खिलाड़ी रोहित को किया सम्मानित

सांपला। नेशनल कबड्डी में हरियाणवीं टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले रोहित का गांव मैसरु खुर्द में पहुंचने पर लोगों द्वारा स्वागत किया गया। बताया 50वीं ये जूनियर नेशनल खेल प्रतियोगिता उत्तराखंड के हरिद्वार में हुई थी। फाइनल मुकाबला हरियाणा और उत्तराखंड की टीम के बीच हुआ। जिसको हरियाणा ने जीत लिया। रविवार को खिलाड़ी रोहित का गांव में फूल मालाओं व नोटों से सरपंच पुनीत कुमार के अलावा अन्य ग्रामीणों ने स्वागत किया। इस सम्मान समारोह में बलवान सिंह ,राजकुमार, अशोक कुमार सुरेंद्र ,मास्टर संजय कुमार, बिजेंदर

एसडीएम दलबीर सिंह फोगाट ने व्यापारियों की एकता को सराहा

महम थाने के एसएचओ सतपाल सिंह ने कहा संगठन में ताकत

व्यापारी मिलन समारोह : कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बांधा समां

महम। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

प्रसिद्ध समाजसेवी विजय मित्तल को सम्मानित करते व्यापार मंडल के सदस्य।

कार्यक्रम में भाग लेते शहर के दुकानदार व व्यापारी।

- एसएचओ सतपाल सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि समारोह में शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

मकर सक्रांति के उपलक्ष्य पर महम की पंजाबी धर्मशाला में व्यापारी मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसडीएम दलबीर सिंह फोगाट समारोह में बतौर मुख्य उपस्थित हुए, जबकि महम थाने के एसएचओ सतपाल सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह में शिरकत की। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों कलाकारों ने समां बांधा। कलाकारों ने देशभक्ति और शिक्षाप्रद गीतों पर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। एसडीएम दलबीर सिंह फोगाट ने व्यापारियों की एकता की सराहना की। कहा कि इस प्रोग्राम में सभी तरह के व्यापारी संगठन शामिल हुए हैं। महम के तमाम दुकानदार व व्यापारी यहां एक मंच पर एकत्रित हुए, उन्हें इस बात की विशेष खुशी है। क्योंकि एकता में बल होता है।

मिल जुलकर रहने से सभी काम होते आसान

मिल जुलकर रहने से सभी काम आसान हो जाते हैं। दुख सुख में एक साथ रहना चाहिए। यदि हम सब एक दूसरे की मदद करते हैं, तो आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरणा मिलती है। संगठित होकर रहने से आधे से अधिक समस्याएं तो स्वतः ही खत्म हो जाती हैं। महम का एसडीएम होने के नाते यदि किसी भी व्यापारी को या व्यापार संगठन को उनसे कोई काम होगा, तो किसी तरह की कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। जायज काम के लिए उनके दरवाजे हमेशा उनके लिए खुले हैं। इसी प्रकार महम थाने के एसएचओ सतपाल सिंह ने कहा कि सुरक्षा के मामले में महम के दुकानदारों और व्यापारियों को कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। वे यहां पर बिना किसी भय के सुरक्षित माहौल में अपना व्यापार कर सकते हैं। नशे का अवैध कारोबार करने वालों, चोर लुटेरों और बदमाशों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। एसएचओ सतपाल सिंह ने दुकानदारों और व्यापारियों की एकता की प्रशंसा की। कहा कि यदि महम के व्यापारियों और दुकानदारों की तरह ही अन्य शहरों में भी दुकानदार मिल जुलकर रहें, तो बाजार से संबंधित कई मसले तो खुद ही हल हो जाएं।

व्यापारियों को सबसे पहले सुरक्षित माहौल देने की जरूरत, एसडीएम से करेंगे मुलाकात : मित्तल

महम के प्रसिद्ध समाजसेवी विजय मित्तल ने कहा कि व्यापारियों के कई मसले अभी अब भी पूरे नहीं हुए हैं। इस संबंध में महम के व्यापारी डीएसपी और एसडीएम से मुलाकात करेंगे। महम में व्यापारियों को सबसे पहले सुरक्षित माहौल देने की जरूरत है। महम में अब तक प्रशासन सुरक्षित माहौल नहीं दे पाया है। लूटपाट, चोरी और फिरौती की घटनाएं हुई हैं। इनको लेकर व्यापारी व दुकानदार चिंतित रहते हैं। इस मौके पर बैंसी गोशाला के प्रधान विजय मित्तल, पूर्व पार्षद सोमनाथ गिरोत्रा, पार्षद बजरंग गोयल उर्फ बॉबी, व्यापार मंडल महम के प्रधान जोगिंद्र गिरोत्रा, संजीव मलिक, दीपक न्यूज एजेंसी संचालक नरेंद्र रल्हन, राजीव गुप्ता, पूर्व एमसी कृष्ण नहरा, राजकुमार खुराना व कालू रल्हन समेत महम के कई दुकानदार व व्यापारी मौजूद थे।

युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र के विकास और उन्नति में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती : डॉ. कपिल

रोहतक। मेहनत, अनुशासन और समर्पण से ही सफलता मिलती है। युवाओं की सोच ही देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाती है। इसलिए अपने आत्मविश्वास को जगाएं और जीवन की चुनौतियों का सामना करें। ये बात विचार यूथ इंडिया ऐसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. कपिल कौशिक ने कही। उन्होंने राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद का प्रेरक जीवन और सशक्त संदेश युवाओं से अपने सपनों को संजोने, अपनी ऊर्जा को उजागर करने और उनके कल्पित आदर्शों के अनुरूप भविष्य को आकार देने का आग्रह करता है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को संदेश दिया था कि वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें। उन्होंने युवाओं को कहा था कि वे अपने देश के लिए कुछ अच्छा करें और मानवता की सेवा करें। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास से भर दिया और उन्हें बताया कि वे कुछ भी कर सकते हैं अगर वे दृढ़ निश्चयी हैं। इस मौके पर यूथ इंडिया ऐसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. ललित शर्मा, अश्वनी वशिष्ठ, सोनू सैन, सारांश, दिनेश शर्मा, सुमित सिंह, सोमदत्त, रोहित कौशिक, अनिल भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

काएनोस अस्पताल में अत्याधुनिक तकनीक से होता कैंसर का इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

काएनोस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल कैंसर के इलाज क्षेत्र में नए मापदंड स्थापित कर रहा है। अस्पताल में कैंसर मरीजों के लिए कार-टी सेल थेरेपी, एडीसीज़ (एंटीबॉडी-ड्रग कॉन्जुगेट्स), इम्यूनोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो कैंसर उपचार को अधिक प्रभावी, सटीक और कम से कम नुकसान वाला बनाती हैं। टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई से प्रशिक्षित, काएनोस के ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. केशव गर्ग ने कहा कि काएनोस अस्पताल में कैंसर देखभाल केवल कीमोथेरेपी तक सीमित नहीं है। हम मानसिक स्वास्थ्य, साइड इफेक्ट्स का प्रभावी इलाज, परामर्श और मरीजों की आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखते हैं। हमारा उद्देश्य है कि रोगियों को कम कीमत पर संपूर्ण उपचार प्रदान किया जा ए । अस्पताल न केवल विश्वस्तरीय कैंसर उपचार प्रदान करता है, बल्कि इससे जुड़े भ्रमों को भी दूर करने के लिए प्रयासरत है। डॉ. गर्ग ने कहा कि कई रोगी देसी दवाओं, आयुर्वेदिक उपचार, अल्कलाइन पानी, चीनी के सेवन और कीमोथेरेपी से जुड़े भ्रमों के कारण उचित उपचार नहीं ले पाते। काएनोस अस्पताल इन भ्रांतियों को दूर करने के लिए जागरूकता अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि एक संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और बचाव से ही कैंसर को रोका जा सकता है।

गोल्ड स्मिथ एंड ज्वेलर्स एसो. रोहतक का हुआ विस्तार

- शहर के सराफा व्यापारियों व स्वर्णकारों को शामिल कर बनाई गई कार्यकारणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सोनीपत रोड स्थित एक होटल में गोल्ड स्मिथ एण्ड ज्वैलर्स एसोसिएशन की एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अशोक काका, सवार मल सराफ व रामकुमार वर्मा को नमन करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

पूर्व अध्यक्ष राकेश वर्मा द्वारा पूरे किए गए कार्यकाल को देखते हुए संस्था द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह व शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके इलावा सकुशल मार्ग दर्शन के लिए संस्थान के पूर्व सरपरस्त महेंद्र मोहन भल्ला व प्रेम चन्द चिकना को भी स्मृति चिन्ह व शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्रधान हेमन्त बख्शी ने अध्यक्ष पद के अधिकार इस्तेमाल करते हुए बलजीत रॉय जैन , संत लाल वर्मा , सोमनाथ मेहता को सरपरस्त, रवि वर्मा को महासचिव, विनोद गोयल को खजांची, श्याम कपूर , सुमेर चंद वर्मा व रमेश भोला को वरिष्ठ उप प्रधान, गौतम जैन , अनिल सहगल , कुनाल ढींगरा को उप प्रधान, संजय वर्मा, विजय बंसल , अजय मल्होत्रा को सचिव जोगेंद्र वर्मा , सौरभ बुट्टन व हरि ओम बंसल को मुख्य सलाहकार, मीडिया कॉर्डिनेटर अमित वर्मा, कानूनी सलाहकार सुरेंद्र वर्मा , कार्यकारिणी सदस्य संतलाल सहगल, सतबीर वर्मा, नितिन वर्मा, विजय बंसल, अजय मेहता, विशम्बर वर्मा , संजय वर्मा, सतपाल वर्मा , मनीष मेहता, अजीत वर्मा, रवि सहगल, जय किशन, श्याम सहगल, हेमन्त सचदेवा, दलीप बंगाली, गौतम बंगाली, अर्पित जैन, प्रभाकर बंगाली, राजीव सहगल आदि को शामिल किया। सभा के दौरान बाजार भाव, सोना चांदी के भाव में बढ़ते उतार चढ़ाव, व्यापारियों की सुरक्षा को ले कर कई मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। मीटिंग के दौरान हेमन्त बख्शी ने कहा कि नए नए ब्रांड्स के शोरूमों के चलन को देखते हुए लोकल सुनारों को भी अपनी पुरानी नीतियों को बदलना होगा और गुणवत्ता को ही अपनी प्राथमिकता बनाना होगा।

कार्यक्रम स्वाभिमान आंदोलन संयोजक मास्टर हरि सिंह ने कहा, महम में बने हरियाणा की राजधानी

23 फरवरी को महम में प्रस्तावित स्वाभिमान आंदोलन की राज्य स्तरीय रैली

रैली की तैयारियों को लेकर खाप प्रतिनिधियों से मिले स्वाभिमान आंदोलन के संयोजक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। बैठक को संबोधित करते स्वाभिमान आंदोलन के संयोजक मास्टर हरि सिंह।

रोहतक व हिसार के बीच और भिवानी व जींद के बीच हरियाणा की राजधानी और हाईकोर्ट बनाए जाने की मांग को लेकर प्रदेश के लोगों द्वारा स्वाभिमान आंदोलन शुरू किया गया है। स्वाभिमान आंदोलन से जुड़े लोगों का तर्क है कि प्रदेश की राजधानी और हाईकोर्ट प्रदेश के बीच में होना चाहिए। ताकि लोगों को हाईकोर्ट और राजधानी आने जाने में आसानी हो। प्रदेश के लोगों का धन और समय बच सके। इसी मुद्दे पर 13 फरवरी को महम में चौबीसी चबूतरे पर प्रदेश स्तरीय रैली प्रस्तावित है। इस रैली की तैयारियों को लेकर स्वाभिमान आंदोलन के संयोजक मास्टर हरि सिंह रविवार को महम पहुंचे। यहां उन्होंने महम चौबीसी सर्वखाप पंचायत प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की। न्याय पक्ष संगठन अध्यक्ष रणदीप लोहचब भी इससे पहले महम में जनसंपर्क कर चुके हैं।

गांव-गांव जाकर दिया जाएगा निमंत्रण

रविवार को रैली को लेकर मास्टर हरि सिंह व चौबीसी सर्वखाप पंचायत प्रतिनिधियों ने मिलकर आपसी सलाह मशवरा कर आगे की रणनीति बनाई है। स्वाभिमान आंदोलन के संयोजक मास्टर हरि सिंह और चौबीसी सर्वखाप पंचायत के प्रधान सुभाष नम्बरदार ने बताया कि गांव गांव जाकर लोगों से बातचीत कर रैली का निमंत्रण दिया जाएगा। कहा कि यह सामाजिक व गैर राजनीतिक कार्यक्रम है। पक्ष विपक्ष के विधायक, पूर्व विधायक, सांसद व पूर्व सांसद तथा सरपंच एवं पूर्व सरपंचों सहित तमाम जनप्रतिनिधियों व आमजन को निमंत्रण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आमजन के लिए स्वाभिमान की लड़ाई है। प्रदेश के बीच में राजधानी होने से पूरे हरियाणा का विकास होगा वहीं चारों तरफ से राजधानी में आने वाले लोगों के लिए भी सुविधाजनक होगा। इस मौके पर चौबीसी खाप महासचिव मास्टर रामफल राठी, महम तपा प्रधान महाबीर गोयत, सैमाण तपा प्रधान हुकम सिंह,पूर्व सरपंच दलीप सिंह, पूर्व चेयरमैन वजीर सिंह, पूर्व चेयरमैन वेद अहलावत, सन्दीप नहरा राजा गोयत, अजमेर बहलबा, कुलबीर मढ़ीना, अंकित मढ़ीना, सूरजमल राठी निंढाना तपा प्रधान, दलबीर राठी, बलजीत बहलबा व दिलावर सिंह समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे।